

हिंदी विश्वविद्यालय के रिद्धपुर केंद्र पर अभिजात मराठी भाषा दिन के उपलक्ष्य में मराठी काव्य-
वाचन एवं कथा-कथन प्रतियोगिता
साहित्य जीवन को समृद्ध बनाने का एक सशक्त माध्यम : डॉ. शुद्धोधन कांबळे

रिद्धपुर (दिनांक 07 अक्टूबर 2026)

'अभिजात मराठी भाषा दिन के उपलक्ष्य पर मराठी काव्य-वाचन एवं कथा-कथन प्रतियोगिता' का आयोजन रिद्धपुर केंद्र पर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के



रिद्धपुर केंद्र की प्रभारी डॉ. नीता मेश्राम ने की। डॉ. शुद्धोधन कांबळे, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर महाविद्यालय (अमरावती) के उद्घाटक एवं मुख्य अतिथि के रूप में उपलब्ध थे। डॉ. मनोज मुनेश्वर एवं डॉ. स्वप्निल मून परीक्षक के



रूप में मार्गदर्शन और प्रतियोगिता का परिणाम घोषित किया। श्री हेमंत दिनकर सावळे, अतिथि अध्यापक ने कार्यक्रम का प्रास्ताविक एवं अतिथियों का परिचय दिया।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के सर्वज्ञ श्री चक्रधर स्वामी मराठी भाषा तथा तत्त्वज्ञान अध्ययन केंद्र, रिद्धपुर (अमरावती) द्वारा 07 अक्टूबर 2026 को अभिजात मराठी भाषा दिन के उपलक्ष्य पर मराठी काव्य-वाचन एवं कथा-कथन प्रतियोगिता का आयोजन किया। कार्यक्रम में स्वामी जी की प्रतिमा का पूजन डॉ. शुद्धोधन कांबळे और रिद्धपुर केंद्र की प्रभारी डॉ. नीता मेश्राम द्वारा किया गया। तकनीकी टीम द्वारा विश्वविद्यालय का

कुलगीत पेश किया। उसके उपरांत भिंत चित्र का उदघाटन किया गया। रिद्धपुर केंद्र के श्री हेमंत दिनकर सावळे, अतिथि अध्यापक ने अतिथियों का स्वागत और प्रास्ताविक किया।

उद्घाटक एवं मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. शुद्धोधन कांबळे, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर महाविद्यालय (अमरावती) ने आभिजात मराठी भाषा पर सखोल मार्गदर्शन दिया। डॉ. शुद्धोधन कांबळे ने कहा, की भाषा ही जीवन का महत्व का अंग है। आभिजात मराठी भाषा को उज्ज्वल भविष्य है और डिजिटल माध्यम में मराठी भाषा का उपयोग करना चाहिए। NEP-2020 के अंतर्गत स्थानिक भाषाओं को महत्व अधिक दिया गया है। यह हमारे लिए गर्व की बात है। डॉ. शुद्धोधन कांबळे ने अपने वक्तव्य में कहा, की हमारे महापुरुषों ने महान ग्रंथ लिखे जो हम आज भी उनके मार्ग पर चल रहे हैं।

अध्यक्षीय उद्बोधन में केंद्र की प्रभारी डॉ. नीता मेश्राम ने कहा की मराठी भाषा को जीवित रखने की ज़िम्मेदारी आज के युवाओं की है। मराठी भाषा केवल बातचीत का माध्यम ही नहीं, बल्कि महाराष्ट्र के सामाजिक, सांस्कृतिक और बौद्धिक जीवन का एक अभिन्न अंग है। डॉ. नीता मेश्राम ने कहा कि काहानी लिखने, सुनाने और कविता पढ़ने जैसी गतिविधियाँ छात्रों को भाषाई अभिव्यक्ति के अवसर देती हैं और साहित्य में रुचि जगाती हैं।

प्रतियोगिता के परीक्षक डॉ. मनोज मुनेश्वर और डॉ. स्वप्नील मून ने विद्यार्थियों के प्रस्तुतिकरण का परीक्षण किया। भाषा की शुद्धता, प्रस्तुतिकरण की प्रभावशीलता, विषय-वस्तु, उच्चारण, भावाभिव्यक्ति और विषय की प्रस्तुति जैसे विभिन्न मानदंडों के आधार पर प्रतियोगियों का मूल्यांकन किया गया। विद्यार्थियों के प्रस्तुतिकरण से मराठी भाषा के प्रति उनकी आस्था और साहित्य के प्रति उनकी रुचि स्पष्ट रूप से दिखाई दी। प्रतियोगिता में मराठी काव्य-वाचन एवं कथा-कथन प्रतियोगिता का आयोजन किया था। जिसमें मराठी काव्य-वाचन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार अभिजीत पडोले को तथा द्वितीय पुरस्कार कुनाल हरणे को और तृतीय पुरस्कार अंकिता देशमुख और हरीपाल पाचराऊत को प्रदान किया गया। कथा-कथन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार पवन हरणे को तथा द्वितीय पुरस्कार विद्या इल्लकर और तृतीय पुरस्कार पुजा हरणे को प्रदान किया गया।

कार्यक्रम का संचालन अभिजीत पडोले तथा धन्यवाद ज्ञापन कुनाल हरणे द्वारा किया गया। इस अवसर पर रिद्धपुर केंद्र पर कार्यरत सहायक महेश राठोड, एमटीएस भूषण शिरभाते, सुरक्षाकर्मी रवीन्द्र ठाकरे, सफाईकर्मी निखिल गजभिये सहित आकाश गजभिये, कुनाल हरणे, पुजा हरणे, अभिजीत पडोले, रामेश्वर नागोसे, प्रवीण गजभिये, मोनिका श्रीराव, हरीपाल पाचराऊत, मोनाली डोंगरे, डॉ. स्वप्नील मून, डॉ. मनोज मुनेश्वर, खुशबू रामटेके, पवन हरणे, अंकिता देशमुख, विद्या इल्लकर, निखिल गजभिये आदि की उपस्थिति थी।